semester-1 mfc - 2025 - 2027

(Emotional Intelligence)

उच्च आत्म-नियंत्रण और श्रेष्ठ प्रकार का आत्म-प्रेरणा प्रदर्शित करते हैं। उच्च संवेगात्मक बुद्धिमत्ता से युक्त व्यक्ति सामाजिक रूप से विशेषज्ञ होते हैं और ऐसे व्यक्तियों का जीवन प्रति! उद्देश्यपूर्ण होता है। ये लोग अपनी भावनाओं को उपयुक्त ढंग से व्यक्त करते हैं। उच्च संवेगात्मक बुद्धिमत्ता वाले सकारात्मक प्रबन्धकीय क्षमता से युक्त और अन्य के साथ सहयोगी प्रकार से सम्बन्ध रखने वाले होते हैं। इनका जीवन बहुत अधिक सन्तुलित और कौशलपूर्ण होता है। संवेगात्मक बुद्धिमत्ता वाले व्यक्ति अफवाहों पर कम ध्यान देकर, अधिक चिंतित हुए बिना ही अपना जीवन व्यतीत करते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि संवेगात्मक बुद्धिमत्ता ने व्यावसायिक संसार में एक महत्वपूर्ण तकनीकी रूप ले रखा है। विशेषकर सेनाओं में चयन, ग्राहक सम्बन्ध, मानव संसाधन प्रबन्धन, प्रशासन और प्रबन्धकीय विकास में, इस प्रकार संवेगात्मक बुद्धिमत्ता प्रभावी प्रशासन एवं व्यावसायिक जगत में एक बहुत ही महत्वपूर्ण एवं लोकप्रिय घटक है। संवेगात्मक बुद्धिमत्ता की भविष्यवाणी नहीं हो सकती है। अरस्तू के अनुसार संवेगात्मक बुद्धिमत्ता कोई सामान्य योग्यता नहीं है। वरन् यह एक विशिष्ट योग्यता है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए सही समय, परिस्थिति, सही मात्रा में सकारात्मक उद्देश्य के लिए उचित दिशा में प्रेरणा दिलवाता है। डार्विन के प्रारम्भिक कार्य जिसमें संवेगात्मक बुद्धिमत्ता आधार रूप में देखा जा सकता है। वह उसके अस्तित्व एवं अनुकूलन में भावात्मक अभिव्यक्ति के रूप में प्रकट होती है।

Scanned with OKEN Scanner

थार्नडाइक (1920) ने - सर्वप्रथम लोगों को समझने और प्रबन्धन हेतु सामाजिक बुद्धि शब्द का प्रयोग किया। थार्नडाइक ने सामाजिक बुद्धि के सम्प्रत्यय को विश्लेषित किया और संवेगात्मक बुद्धिमत्ता को परिभाषित करते हुए कहा महिला - पुरुष, बालक - बालिका को समझने एवं प्रबन्धन की योग्यता तथा मानव व्यवहार के बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार को सामाजिक बुद्धि कहा जाता है। यह अन्तर्वैयक्तिक कौशलता के समान है। जो कि - हावर्ड गार्डनर के बहुबुद्धि का एक प्रकार है। तथा मस्तिष्क के सिद्धान्त के बहुत ही नजदीक है।

सामाजिक कौशलता किसी व्यक्ति के उसका / उसकी बाह्य पर्यावरण को अधिकतम समझने की क्षमता तथा सफल सामाजिक व्यवहार के प्रति उत्कृष्ट प्रतिक्रिया है। वर्तमान में लोकप्रिय वैज्ञानिक डेनियल गोलमैन ने मस्तिष्क के सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध में बताया कि यह सामाजिक जागरूकता तथा सामाजिक सुविधाएं से मिलकर बनी हुई है। संवेगात्मक बुद्धिमत्ता बुद्धि के सम्प्रत्यय को अनेक बौद्धिक क्षेत्र एवं व्यापक विस्तार देता है। और संवेगों (Emotions) को भी बुद्धि के अन्तर्गत सम्मिलित करता है। संवेगात्मक बुद्धिमत्ता का सम्प्रत्यय सामान्य बुद्धि की पारंपरिक की अवधारणा से भिन्न हुआ है। संवेगात्मक बुद्धिमत्ता अनेक कौशलों जैसे - अपने तथा दूसरे व्यक्तियों के संवेगों का परिशुद्ध मूल्यांकन प्रकट करना तथा संवेगों का नियमन आदि एक समुच्चय है। यह बुद्धि का भावनात्मक पक्ष होता है। अपने तथा दूसरे व्यक्तियों के संवेगों का परिवीक्षण करने और उनमें विभेदन करने की योग्यता तथा प्राप्त सूचनाओं के अनुसार अपने चिन्तन तथा व्यवहारों को निर्देशित करने की योग्यता ही संवेगात्मक बुद्धिमत्ता है।

Teacher's Signature 31/10/2025